ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, कृषि मौसम विभाग
जलवायु परिवर्तन पर उच्च अध्ययन केन्द्र
डा0 राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय
पूसा,समस्तीपुर (बिहार)–848125

बुलेटिन संख्या-२७
दिनांक- मंगलवार, १२ अप्रैल, २०२२

विगत मौसम पूर्वानुमान अवधि का आकलन

मौसमीय वेद्यशाला पूसा के आकलन के अनुसार पिछले तीन दिनों का औसत अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमशः 32.6 एवं 21.2 डिग्री सेल्सियस रहा। औसत सापेक्ष आर्द्रता 85 प्रतिशत सुबह में एवं दोपहर में 65 प्रतिशत, हवा की औसत गति 7.6 कि0मी0 प्रति घंटा एवं दैनिक वाष्पण 5.1 मि0मी0 तथा सूर्य प्रकाश अवधि औसतन 5.9 घन्टा प्रति दिन रिकार्ड किया गया तथा 5 से0मी0 की गहराई पर भूमि का औसत तापमान सुबह में 26.7 एवं दोपहर में 40.2 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। इस अवधि में मौसम शुष्क रहा।

मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान
(13–17 अप्रैल 2022)

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, डा0आर0पी0सी0ए0यू0, पूसा, समस्तीपुर एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग के सहयोग से जारी 13–17 अप्रैल, 2022 तक के मौसम पूर्वानुमान के अनुसारः–

- अगले 2–3 दिनों तक मौसम के शुष्क रहने की संभावना है। उसके बाद कहीं–कहीं गरज वाले बादल के साथ हल्की वर्षा हो सकती है। इसकी संभावना मुज़फ्फरपुर, दरभंगा, मधुबनी, शिवहर तथा पूर्वी–चम्पारण जिलों में अधिक है।
- इस अवधि में अधिकतम तापमान तथा न्यूनतम तापमान में वृद्धि हो सकती है, जिसके कारण अधिकतम तापमान 38–40 डिग्री सेल्सियस के बीच रह सकता है। जबकि न्यूनतम तापमान 23–25 डिग्री सेल्सियस के आस–पास रह सकता है।
- सापेक्ष आर्द्रता सुबह में 80 से 90 प्रतिशत तथा दोपहर में 40 से 50 प्रतिशत रहने की संभावना है।
- पूर्वानुमानित अवधि में औसतन 10 से 15 कि0मी0 प्रति घंटा की रफ्तार से पुरवा हवा चलने की सम्भावना है।

• समसामयिक सुझाव

- 2–3 दिनों के बाद कही–कही हल्की वर्षा की संभावना को देखते हुए तैयार गेहूँ, अरहर एवं मक्का फसल की कटनी तथा दौनी मे सावधानी बरतें। गेहूँ एवं मक्का के दानों को अच्छी तरह धूप में सूखाने के बाद भंडारण करें।
- ओल की फसल की बुआई करें। बुआई के लिए गजेन्द्र किस्म अनुषंसित है। रोपाई से पूर्व कटे कन्द को ट्राइकोर्डमा भिरीडी के 5.0 ग्राम प्रति लीटर गोबर के घोल में मिलाकर 20–25 मिनट तक डुबोकर उपचारित कर लगायें ताकि मिट्टी जनित बीमारी लगने की संभावना को रोका जा सकें। साधारणतया 0.5 किलोग्राम के कन्द को रोपने के लिए 75ग75 से0मी0 की दुरी रखें। 200 ग्राम के कन्द की बुआई 50x50 से0मी0 की दुरी पर बीजात्पादन हेतु करना अच्छा पाया गया है तथा इसके लिए 40–50 क्विंटल प्रति हे0 बीज कन्द की आवष्यकता होती है। प्रति गठ्ढ़ा 3 कि0ग्रा0 गोबर, 20 ग्राम अमोनियम सल्फेट या 10 ग्राम यूरीया, 37.5 ग्राम सिंगल सुपर फास्फेट एवं 16 ग्राम पोटेषियम सल्फेट व्यवहार करें।
- गरमा मूंग तथा उरद की बुआई अविलंब संपन्न करें। खेत की जुताई में 20 किलो ग्राम नेत्रजन, 45 किलोग्राम सल्फर, 20 किलोग्राम पोटाष तथा 20 किलोग्राम गंधक प्रति हेक्टेयर की दर से व्यवहार करें। मूंग के लिए पूसा विषाल, सम्राट, एस0एम0एल0–668, एच0यू0एम0–16 एवं सोना तथा उरद के लिए पंत उरद–19, पंत उरद–31, नवीन एवं उत्तरा किस्में बुआई के लिए अनुषंसित हैं। बुआई के दो दिन पूर्व बीज को कार्बेन्डाजीम 2.5 ग्राम प्रति किलो ग्राम की दर से शोधित करें। बुआई के ठीक पहले शोधित बीज को उचित राईजोबियम कल्चर से उपचारित कर बुआई करें। बीजदर छोटे दानों के प्रभेदों हेतु 20–25 किलो ग्राम प्रति हेक्टेयर तथा बड़े दानों के प्रभेदों हेतु 30–35 किलो ग्राम प्रति हेक्टेयर रखें। बुआई की दूरी 30ग10 से0मी0 रखें।
- गरमा सब्जियों जैसे भिन्डी, नेनुआ, करैला, लौकी (कद्दू), और खीरा की फसल में आवष्यकतानुसार निकाई–गुड़ाई करें।
- गरमा सब्जियों जैसे भिन्डी, नेनुआ, करैला, लौकी (कद्दू), और खीरा की बुआई अविलंब संपन्न करें। बिगत माह बोयी गई सब्जियों की फसल में आवष्यकतानुसार निकाई–गुड़ाई करें। इन फसलों में कीट की निगरानी करें। कीट का प्रकोप फसल में दिखने पर मैलाथियान 50 ई0सी0 या डाइमेथोएट 30 ई0सी0 दवा का 1 मि0 ली0 प्रति लीटर पानी की दर से घोलकर छिड़काव करें।
- फलदार वृक्षों तथा वानिकी पौधों को लगाने के लिए अनुषंसित दूरी पर 1 मी0 व्यास के 1 मीटर गहरे गडढ़े बना कर छोड़ दें। लगाये गये पॉपलर वृक्षों के चारो ओर निकौनी तथा साफ–सफाई करें।
- मिर्च की फसल में आवष्यकतानुसार निकाई, गुड़ाई करें। 50 किलोग्राम यूरिया प्रति हेक्टेयर डालें। यूरिया फसल की पत्तियों पर नही पड़ना चाहिए। ध्यान दें कि, यूरिया का व्यवहार करते समय जमीन में नमी हो।
- भिंडी, बोरा एवं कद्दुबर्ग्रीय सब्जियॉ लगाने के लिए मौसम अनुकूल चल रहा है। इन फसलों में कीड़ों से बचाव हेतु मोनोसील/मैलाथियान/रोगर दवा का 1.5 से 2 मि0ली0 प्रति लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें।
- टमाटर की फसल को फल छेदक कीट से बचाव हेतु खेतों में पक्षी बसेरा लगायें। कीट से ग्रसित फलो को इकठा कर नष्ट कर दें, यदि कीट की संख्या अधिक हो तो स्पिनोसेड 48 इ0सी0/1 मि0ली0 प्रति 4 ली0 पानी की दर से छिड़काव करे।

आज का अधिकतम तापमानः 33.5 डिग्री सेल्सियस, सामान्य से 3.4 डिग्री सेल्सियस कम	आज का न्यूनतम तापमानः 21.4 डिग्री सेल्सियस, सामान्य से 1.6 डिग्री सेल्सियस अधिक

(डॉ0 गुलाब सिंह)
तकनीकी पदाधिकारी

(डॉ0 ए. सत्तार)
नोडल पदाधिकारी